दिनांक _____

# प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

## डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली - एन.सी.आर.

## अर्धवार्षिक परीक्षा 2025-26

## कक्षा - नौवीं

## विषय - हिंदी

**निर्धारित समय-3 घंटे** **पूर्णांक-80**

**सामान्य निर्देश :-**

- इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'|
- खंड 'क' में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए|
- खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आतंरिक विकल्प भी दिए गए हैं|
- खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए|
- खंड 'घ' रचनात्मक लेखन पर आधारित है, आतंरिक विकल्प भी दिए गए हैं|
- प्रश्न-पत्र में कुल 11 पृष्ठ और 17 प्रश्न हैं | सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है|
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखें|
- प्रश्न-पत्र के पठन हेतु 15 मिनट का अतिरिक्त समय निर्धारित है|
- बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर उनके सही विकल्प तथा पूर्ण उत्तर के साथ लिखिए |

### खंड- क (अपठित बोध)

**1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए|** **(7)**

नववर्ष के नए सवेरे का आगमन हो गया है। पीछे छूट गए हैं वे पल जो सुखद थे, वे पल जो दु:खद थे, भयानक थे। दु:खद पलों को याद करके आँसू बहाने से क्या लाभ! सुखद पलों के आकाश में भी बहुत देर तक नहीं उड़ा जा सकता। यथार्थ की कठोर भूमि का स्पर्श करना ही पड़ेगा। इसी में जीवन की सार्थकता है। जीवन का सत्य भी यही है। नववर्ष के इस पथ की पहचान करनी पड़ेगी। वह पहचान करेगा हमारा मन। वह मन जो संकल्पवान है। क्या संकल्प करेंगे हम? हमारा मन जो संकल्प करे, वह अशुभ को छोड़ने का और शुभ को जीवन से जोड़ने का होना चाहिए। संकल्प के लिए हमारी प्राथमिकताएँ निश्चित होनी चाहिए। हम 'शिव संकल्प' ही करें। अशिव या अकल्याणकारी संकल्प शुद्ध मन की परिधि में नहीं आता। यजुर्वेद में मन को ज्योतियों की भी ज्योति इसीलिए कहा गया है कि प्रत्येक शुभ की ज्योति हमारे मन में ही जाग्रत होती है। यह शुभता का भाव हमारे मन में कितना है और कितना होना चाहिए, इसके मूल्यांकन के लिए, अपनी इच्छा की दृढ़ता के लिए, अग्रगामी होने के लिए, अशुभ कार्यों एवं

प्रवृत्तियों के परित्याग के लिए हमें संकल्प करना पड़ेगा। हम सबसे पहला संकल्प आलस्य त्याग का लें तो बेहतर होगा क्योंकि आलस्य हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। यह शत्रु हमारी उन्नति के सभी द्वार बंद कर देता है। जब हम आलस्य पर विजय प्राप्त कर लेंगे, तभी उन्नति हमारे चरण चूमेगी। सुस्त और निद्राशील लोगों को तो देवता भी पसंद नहीं करते क्योंकि देवता हमारी आस्था का जागृत रूप हैं। समय पर काम न करने वाले, व्यर्थ के विवादों में शक्ति और समय का अपव्यय करने वाले, न संकल्प कर सकते हैं और न अपने किसी वचन का निर्वाह ही कर सकते हैं इसलिए हमारी सबसे पहली आवश्यकता है - शक्ति का सदुपयोग। वह तभी संभव है जब हमारे मन में सब तरफ़ से श्रेष्ठ संकल्प ही आएँ।

**<u>प्रश्न</u>**

**(i) नीचे दिए गए अभिकथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए|** **1**

**अभिकथन (A) :** आलस्यहीन व कर्मठ लोगों को देवता भी पसंद करते हैं|

**कारण (R) :** आलस्य हमारी उन्नति के सभी द्वार बंद कर देता है।

**<u>विकल्प</u>**

(क) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं|

(ख) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है|

(ग) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है|

(घ) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है|

**(ii) मनुष्य को किस प्रकार के संकल्प लेने चाहिए?** **1**

(क) कल्पना के आकाश में उड़ने वाले

(ख) कठोर यथार्थ व अवास्तविकता से भरे

(ग) सुखद यादों से दूर ले जाने वाले

(घ) सबके लिए कल्याणकारी

**(iii) गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही कथन वाले विकल्प का चयन कीजिए-** **1**

1. देवता सुस्त व निद्राशील लोगों को पसंद करते हैं|
2. मन में सब ओर से श्रेष्ठ संकल्प आने पर ही शक्ति का सदुपयोग किया जा सकता है|
3. अशुभ कार्यों एवं प्रवृत्तियों का परित्याग हम दृढ़ संकल्प द्वारा ही कर सकते हैं|
4. सुखद और दुखद, दोनों ही पलों की यादों में उलझे रहना व्यर्थ है|
5. हमें शुभ को छोड़ने का और अशुभ को जीवन से जोड़ने का संकल्प लेना चाहिए।

**विकल्प -**

(क) 1, 3 व 5 कथन

(ख) 2, 3 व 4 कथन

(ग) 2, 4 व 5 कथन

(घ) 1 व 5 कथन

**(iv) गद्यांश में जीवन की सार्थकता व सत्य किसे और क्यों कहा गया है? 2**

**(v) किन बुराइयों के कारण मनुष्य संकल्प ले पाने में असमर्थ रहता है तथा मनुष्य द्वारा उसकी शक्ति का सदुपयोग कब संभव है? 2**

**2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए| (7)**

यह युग एक प्रकार से पैसे का युग है परंतु फिर भी एक गरीब लेखक तथा विद्वान व्यक्ति का करोड़पतियों से अधिक आदर होता है। धन हमेशा बुरी आदतों को प्रोत्साहन देता है | धन के लालची व्यक्ति की सफलता हजारों को दुख और असफलता में डाल देती है | बुद्धि की दुनिया में सफलता से समाज की उन्नति में सहायता मिलती है | धनी, धन के घमंड में अपने चरित्र को खो देता है और धनहीन उसे ही अपना सब कुछ समझकर अपनाता है | संसार में विजय पाने के लिए चरित्र बड़ा मूल्यवान साधन होता है | चरित्र के मार्ग पर चलने वाला आदमी ही सही अर्थों में महान होता है | ऐसे व्यक्ति ही मानव-जाति का कल्याण करते हैं, अनाथों और निर्बलों के उत्थान में सहायक होता हैं, रोगग्रस्त मानवों की सहायता करते हैं और राष्ट्र के उत्थान के लिए अपना बलिदान कर देते हैं| संसार में जिसका देवता स्वर्ण होता है उसका हृदय प्रायः पत्थर का होता है | उसको दूसरों के आँसू पोंछने में विश्वास नहीं होता | संसार को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो स्वार्थ के लिए नहीं परमार्थ के लिए जीवित रहते हैं | जो धन के लिए स्वाभिमान नहीं बेचते, जिनकी अंतरात्मा एक दिशा दिखाने वाले यंत्र की सुई के समान एक शुभ नक्षत्र की ओर ही देखा करती है, जो अपने समय, शक्ति और जीवन को दूसरों के लिए तथा देश, जाति और समाज के लिए अर्पित कर देते हैं | ऐसे ही आदमियों का चरित्र महान होता है| ये वज्र के समान मज़बूत होते हैं, पत्थरों के प्रहार सहते हैं पर उनका एक अंश भी विचलित नहीं होता |

**(i) चरित्र के मार्ग पर चलने वाले को महान कहा गया है क्योंकि वे - (1)**

(क) रोगग्रस्त होने में मानवों की सहायता करते हैं|

(ख) अनाथों और निर्बलों के पतन में सहायक होता हैं|

(ग) निर्बलों का उत्थान व मानव-जाति का कल्याण करते हैं|

(घ) राष्ट्र के उत्थान के लिए दूसरों को बलिदान कर देते हैं|

**(ii) नीचे दिए गए कथनों को अभिकथन (A) तथा कारण (R) के रूप में चिह्नित किया गया है| अपने उत्तर के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए| (1)**

**अभिकथन (A) :** एक गरीब लेखक तथा विद्वान व्यक्ति का करोड़पतियों से अधिक आदर होता है।

**कारण (R) :** यह युग एक प्रकार से पैसे का युग है |

(क) A सत्य है लेकिन R असत्य है|

(ख) A असत्य है लेकिन R सत्य है|

(ग) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है|

(घ) A और R दोनों सत्य हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है|

**(iii) प्रस्तुत गद्यांश में धन के लिए स्वाभिमान न बेचने वालों की अंतरात्मा को 'दिशा-सूचक यंत्र' की सुई के समान कहने का क्या तात्पर्य है? (1)**

(क) ऐसे व्यक्ति समाज को सही मार्ग दिखाते हैं|

(ख) वे केवल अपनी आत्मा को सही दिशा में चलाते हैं |

(ग) दिशा बताने वाले यंत्र की सुई की भाँति वे अपने स्थान से हिलते नहीं हैं|

(घ) वे लोग दूसरों को सुई के समान चुभने वाली बात कहने से नहीं हिचकिचाते हैं|

**(iv) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने धन के किन दुष्प्रभावों को बताया है? (2)**

**(v) संसार के कल्याण के लिए कैसे मनुष्यों की आवश्यकता है? गद्यांशों के आधार पर स्पष्ट कीजिए| (2)**

## खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

**3. शब्द और पद पर आधारित निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए| (1x2=2)**

**(i)** पद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए |

**(ii)** 'लड़का, समझदार, वह, विद्यालय - ये शब्द हैं या पद? कारण सहित स्पष्ट कीजिए |

**(iii)** इन पुष्पों से बड़ी अच्छी सुगंध आती है| - रेखांकित पदों का भेद लिखिए|

**4. अनुस्वार तथा अनुनासिक आधारित निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (1x2=2)**

**(i)** निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार व अनुनासिक ध्वनि वाले शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए-

**संभ्रांत, चुनौतियों**

**(ii)** निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार अथवा अनुनासिक का प्रयोग करके शब्द शुद्ध कीजिए-

**अतरग** **कुए**

**(iii)** **आंनद, पहुंचाकर, सँपेरा, पंद्रह, कांव-कांव, रोंमाचक** - प्रस्तुत शब्दों में अनुस्वार/अनुनासिक के **सही प्रयोग वाले शब्द** छाँटकर लिखिए|

**5. उपसर्ग तथा प्रत्यय पर आधारित निम्नलिखित <u>पाँच में से किन्हीं चार</u> <u>प्रश्नों</u> के उत्तर दीजिए** **(1x4=4)**

**(i)** **'निर्'** उपसर्ग का प्रयोग करते हुए कोई दो सार्थक शब्द बनाइए|

**(ii)** 'शहर भर के लोगों के मन उस पुत्र **<u>वियोगिनी</u>** के दुःख से **<u>द्रवित</u>** हो उठे थे|' - रेखांकित शब्दों में से **उपसर्ग अथवा प्रत्यय** अलग कीजिए|

**(iii)** **'इतिहास'** तथा '**लोक'** शब्दों में **इक** प्रत्यय जोड़कर नवीन शब्द बनाइए|

**(iv)** **'उस दिन जब तुम आए थे, मेरा हृदय किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था|'** - प्रस्तुत वाक्य में से उचित उपसर्ग युक्त शब्दों को छाँटकर लिखिए|

**(v)** **संभ्रांत, परचून, सहायक, आगमन** - प्रस्तुत शब्दों में से उचित उपसर्ग युक्त शब्द छाँटकर लिखिए|

**6. स्वर संधि पर आधारित निम्नलिखित <u>चार में से किन्हीं तीन</u> <u>प्रश्नों</u> के उत्तर दीजिए- (1x3=3)**

**(i)** **'गुरु + उपदेश'** की संधि कीजिए तथा संधि का नाम बताइए |

**(ii)** '**स्वागत'** शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए तथा संधि का नाम बताइए|

**(iii)** **अ /आ + ए /ऐ = ऐ -** यह नियम किस स्वर संधि का है |

**(iv)** '**नयन , गणेश , महात्मा -** इन शब्दों में **गुण संधि** का उदाहरण छाँटिए |

**7. विराम-चिह्नों पर आधारित निम्नलिखित <u>चार में से किन्हीं तीन</u> <u>प्रश्नों</u> के उत्तर दीजिए-** **(1x3=3)**

**(i)** **बार-बार मन में प्रश्न उठ रहा <u>है — तुम कब</u> जाओगे?** - वाक्य में रेखांकित अंश में प्रयुक्त विराम चिह्न का नाम लिखिए|

**(ii)** वाक्य लिखते समय बीच में छूट गए शब्दों को लिखने के लिए _____ चिह्न का प्रयोग किया जाता है| - परिभाषा पूरी कीजिए|

**(iii)** **शब्दों का लेन देन मिट गया था|** - प्रस्तुत वाक्य में उचित स्थान पर सही विराम-चिह्न लगाकर उसका नाम भी लिखिए|

**(iv)** **उपविराम** का सही प्रयोग करते हुए एक उदाहरण लिखिए|

**8. 'अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित <u>तीन में से किन्हीं दो</u> <u>प्रश्नों</u> के उत्तर लिखिए- (1X2=2)**

**(i) 'मैं झटके के कारण शायद कुएँ में गिर गया होता** - अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए|

**(ii) जैसे ही कमरा खोला गया वैसे ही गिल्लू भीतर आकर मेरे सिर से पाँव तक दौड़ लगाने लगा** - वाक्य को विधानवाचक वाक्य में बदलकर लिखिए|

**(iii) विस्मयादि बोधक वाक्य** का कोई एक उदाहरण लिखिए|

## <u>खंड - 'ग' (पाठ्यपुस्तक)</u>

**9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कीजिए| (1x5=5)**

आज तुम्हारे आगमन के चतुर्थ दिवस पर यह प्रश्न बार-बार मन में घुमड़ रहा है - तुम कब जाओगे, अतिथि ? तुम जहाँ बैठे निस्संकोच सिगरेट का धुआँ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना ! इसकी तारीखें अपने सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ । तुम जानते हो, अगर तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चौथा दिन है, तुम्हारे सतत आतिथ्य का चौथा भारी दिन ! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती । लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद वे दोनों एस्ट्रोनॉट्स भी इतने समय चाँद पर नहीं रुके थे, जितनी समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो । तुम अपने भारी चरणकमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके, तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली, तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके हो । अब तुम लौट जाओ, अतिथि ! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात हाई-टाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती ?

**<u>प्रश्न</u>**

**(i)** प्रस्तुत गद्यांश किस समस्या को दर्शा रहा है?

(क) अतिथि के आने पर आतिथेय की समस्या

(ख) मेज़बान के घर पर मेहमान को होने वाली समस्या

(ग) अतिथि के सिगरेट के धुएँ से लेखक के परिवार को होने वाली समस्या

(घ) अतिथि के अधिक समय तक रुकने से आतिथेय को होने वाली समस्या

**(ii)** एस्ट्रोनॉट्स के माध्यम से लेखक ने क्या व्यंग्य किया है?

(क) छोटी-सी यात्रा के बाद भी अतिथि के चार दिन तक रुका हुआ है|

(ख) अतिथि ने भारी चरणकमलों की छाप ज़मीन पर अंकित कर दी है|

(ग) कैलेंडर की तारीखें अपने सीमा में नम्रता से फड़फड़ा रही हैं ।

(घ) अतिथि के जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात हाई-टाइम है।

**(iii)** लेखक ने खर्चा करने की अपनी आर्थिक सीमा को दर्शाने के लिए किस वाक्यांश का प्रयोग किया गया है?

(क) मिट्टी खोदना

(ख) बैंजनी चट्टान

(ग) भारी चरणकमल

(घ) तारीखे बदलना

**(iv)** अतिथि को उसके रहने की अवधि बताने के लिए लेखक क्या कर रहा है?

(क) कैलेंडर की तारीखों को नम्रता से फड़फड़ा रहा है|

(ख) अतिथि को दिखा-दिखाकर तारीखें बदल रहा है|

(ग) अतिथि को दिखा-दिखाकर कैलेंडर बदल रहा है|

(घ) कैलेंडर दिखाकर अतिथि को हिसाब लगाना सिखा रहा है|

**(v)** नीचे दिए गए कथनों में से कौन-से कथन व्यंग्यात्मक है?

1. आज तुम्हारे आगमन का चतुर्थ दिवस है|
2. क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती ?
3. तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती ।
4. तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके हो|
5. इसकी तारीखें अपने सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं ।

**<u>विकल्प -</u>**

(क) 1, 3 व 5 कथन

(ख) 2, 3 व 4 कथन

(ग) 2, 4 व 5 कथन

(घ) 1, 2 व 5 कथन

**10. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कीजिए| (1x5=5)**

रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनी अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।।
धनि रहीम जल पंक को,लघु जिय पिअत अघाय।
उदधि बड़ाई कौन है, जगत पिआसो जाय।।
नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।
ते रहीम पशु से अधिक, रीझेहु कछु न देत।।

**प्रश्न**

**(i)** इन दोहों में पशु से भी निम्न किसे कहा गया है?

(क) दूसरों के काम आने वाले सागर को

(ख) छोटे जीवों को तृप्त करने वाले पंकजल को पंक जल को

(ग) दूसरों का उपहास उड़ाने वाले धनी व स्वार्थी मनुष्य को

(घ) कलाकार की कला का आनंद उठाकर उसे पुरस्कार स्वरूप कुछ भी न देने वाले मनुष्य को

**(ii)** पंक जल का अर्थ है -

(क) कमल वाले तालाब का पानी

(ख) गड्डों आदि में भरा गंदा पानी

(ग) गंगा के समान पवित्र जल

(घ) सागर का खारा जल

**(iii)** नीचे दिए गए अभिकथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़कर सही विकल्प चुनिए -

**अभिकथन (A)** - अपनी व्यथा दूसरों को सुनाने से कोई लाभ नहीं होता|

**कारण (R)** - लोग हमारे प्रति दया दिखाते हैं|

**विकल्प**

(क) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं|

(ख) अभिकथन (A) तथा कारण (R) ) दोनों गलत हैं|

(ग) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है|

(घ) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है|

**(iv)** पंक-जल के समक्ष सागर के जल की महत्ता कम है क्योंकि -

(क) सागर का जल केवल लघु जीव-जंतु पी पाते हैं|

(ख) उदधि के पास जल का अथाह भंडार है|

(ग) खारा होने के कारण किसी की प्यास नहीं बुझाता|

(घ) सागर अपनी गहराई से लोगों को भयभीत करता है|

**(v)** प्रदत्त दोहों के आधार पर निम्नांकित वाक्यों में से कौन-से वाक्य सही हैं -

1. अपने हृदय की व्यथा सबको सुनानी चाहिए|
2. कम सामर्थ्य होते हुए भी दूसरों की सहायता करने वाला महान है|
3. कलाप्रेमी उदार-हृदयी लोग यथासंभव कलाकार की मदद करते हैं|

4. मृग पशु होते हुए भी संगीत की तान पर अपना तन दे देता है|
5. बात को हँसी-मज़ाक में उड़ाना सज्जन की आदत होती है|

**विकल्प -**

(क) 1, 3 व 5 कथन (ग) 2, 4 व 5 कथन

(ख) 2, 3 व 4 कथन (घ) 1, 2 व 5 कथन

**11. पाठ्य-पुस्तक 'स्पर्श' के गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में दीजिए| (2x3=6)**

**(i)** "मैं भी औरों की तरह एक पर्वतारोही हूँ, इसीलिए इस दल में आई हूँ|" - बचेंद्री ने यह कथन किससे और क्यों कहा और यह कथन उनकी किस चारित्रिक विशेषता को दर्शाता है?

**(ii)** सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर अपने अतिथि के प्रति लेखक के व्यवहार में क्या अंतर आया? 'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ आधार पर स्पष्ट कीजिए|

**(iii)** बाज़ार के लोगों के मन में बुढ़िया के प्रति क्या भाव था तथा उनकी इस सोच के पीछे क्या कारण था? 'दुःख का अधिकार' पाठ आधार पर स्पष्ट कीजिए |

**(iv)** "अब तुम ऐसे संसार में वापस जाओगी जो तुम्हारे पीछे छोड़े हुए संसार से सर्वथा भिन्न होगा|" - कर्नल खुल्लर के इस कथन का क्या तात्पर्य था?

**12. पाठ्य-पुस्तक 'स्पर्श' के पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में दीजिए| (2x3=6)**

**(i)** प्रथम पद में भगवान और भक्त के मध्य तुलना करके कवि रैदास क्या दर्शाना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए|

**(ii)** अनेक लक्ष्य एक साथ साधने का प्रयास करने का क्या परिणाम होता है? 'रहीम के दोहे' आधार पर लिखिए|

**(iii)**'ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै' पद में रैदास कवि ईश्वर के किस कार्य की स्तुति कर रहे हैं?

**(iv)**दोहे की विशेषता को दर्शाने के लिए रहीम जी ने किसका उदाहरण दिया गया है तथा क्यों ?

**13. पूरक पुस्तक 'संचयन' के पाठों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 60 से 70 शब्दों में दीजिए- (4x2=8)**

**(i)** 'प्रेम, देखभाल व अच्छा भोजन मिलने के बावज़ूद पशु अपनी ही प्रजाति के पशुओं के मध्य रहकर ही खुश रहता है' - कथन का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि पाठ 'गिल्लू' की किस घटना से उपर्युक्त कथन की सत्यता सिद्ध होती है?

**(ii)** पाठ 'स्मृति' में बच्चे कुएँ में पड़े साँप को ढेला क्यों मारते थे? क्या आपके विचार में बच्चों का यह कृत्य उचित था? तर्क पूर्ण विवेचना कीजिए|

**(iii)**'मनुष्य की भावी योजनाएँ अक्सर विफल हो जाती हैं' - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि पाठ 'स्मृति' के लेखक ने क्या योजना बनाई थी तथा उस योजना की विफलता का क्या कारण था?

## <u>खंड-'घ' (लेखन अभिव्यक्ति)</u>

**14. निम्नलिखित में से किसी <u>एक विषय</u> पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए| (5)**

**(i) वन्य-जीव संरक्षण की आवश्यकता**

- वनों का महत्त्व
- वन्य जीवों की विलुप्ति के कारण,
- वन्य जीवों की समाप्ति के दुष्प्रभाव
- वन्य जीवों की रक्षा के उपाय

**(ii) अंधविश्वास : प्रगति की राह में बाधक**

- अंधविश्वास का अर्थ
- कारण
- दुष्परिणाम
- दूर करने के उपाय

**(iii) खेल जगत और भारत**

- खेलों का महत्त्व
- खेलो इंडिया योजना
- ओलिंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन
- विश्व में पहचान बनाने के लिए प्रयास

**15.** बदलते मौसम में फ़ैल रही बीमारियों से सावधान रहने की सलाह देते हुए माँ की ओर से छात्रावास में रह रहे पुत्र/पुत्री को लगभग 100 शब्दों में **पत्र** लिखिए| **(5)**

**अथवा**

आपके मित्र ने दशहरे की छुट्टियों में आपको अपने घर आने का निमंत्रण दिया है| इसके लिए मित्र का धन्यवाद करते हुए तथा अपनी सहमति अथवा असहमति व्यक्त करते हुए लगभग 100 शब्दों में **पत्र** लिखिए।

**16.** 'विद्यालय में नियमों का पालन करने व अनुशासन में रहने की आवश्यकता के विषय पर अध्यापक व विद्यार्थी के मध्य वार्तालाप को लगभग 100 शब्दों में **संवाद** के रूप में लिखिए| **(5)**

**अथवा**

अपनी किसी शरारत/भूल के विषय में अपनी माता जी को बताते हुए तथा उनसे क्षमा माँगते हुए की गई बातचीत को लगभग 100 शब्दों में **संवाद** के रूप में लिखिए।

**17. नीचे दिए गए चित्र का भावपूर्ण वर्णन लगभग 100 शब्दों में कीजिए-** **(5)**

# उत्तर संकेत

## प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

## डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली - एन.सी.आर.

## मध्यावधिक परीक्षा (2025-26)

## कक्षा - नौवीं

## विषय - हिंदी

| प्र.सं. | उत्तर संकेत | अंक |
|---|---|---|
| 1. | **(i)** (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है\| (1)<br>**(ii)** (घ) सबके लिए कल्याणकारी (1)<br>**(iii)**(ख) 2, 3 व 4 कथन (1)<br>**(iv)** यथार्थ में जीवन जीने को<br>क्योंकि दुखद यादों में खोए रहकर आँसू बहाना या सुखद यादों के स्वपनों में खोए रहना दोनों ही व्यर्थ है\|<br>बीते हुए समय के लिए वर्त्तमान को व्यर्थ नहीं करना चाहिए\|<br>(समग्र के आधार पर ) (2)<br>**(v)** समय पर काम न करना,<br>व्यर्थ के विवादों में शक्ति और समय का अपव्यय करना<br>जब मनुष्य के मन में सब तरफ़ से श्रेष्ठ संकल्प ही आएँगे तभी वह शक्ति का सदुपयोग कर पाएगा\| (समग्र के आधार पर) (2) | **7 अंक** |
| 2. | (i) (ग) निर्बलों का उत्थान व मानव-जाति का कल्याण करते हैं\|(1)<br>(ii) (घ) A और R दोनों सत्य हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है\| (1)<br>(iii) (क) ऐसे व्यक्ति समाज को सही मार्ग दिखाते हैं\| (1)<br>(iv) बुरी आदतों को प्रोत्साहन,<br>लालची व्यक्ति की सफलता हजारों को दुख और असफलता में डाल देती है\|<br>धन के घमंड में व्यक्ति अपने चरित्र को खो देता है\| (समग्र के आधार पर ) (2)<br>(v) चरित्र के मार्ग पर चलने वाला,<br>अनाथों और निर्बलों के उत्थान में सहायक होता हैं, | |

<table>
<tr><td></td><td>रोगग्रस्त मानवों की सहायता करते हैं<br>राष्ट्र के उत्थान के लिए अपना बलिदान कर देते हैं|<br>(समग्र के आधार पर) (2)</td><td>7 अंक</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>(i) जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त हो जाता है तो वह स्वतन्त्र न रहकर अनेक व्याकरणिक कोटियों में बँध जाता है तब वह शब्द न रहकर पद बन जाता है| (1)<br>(ii) 'लड़का, समझदार, वह, विद्यालय - ये सब शब्द हैं क्योंकि ये किसी वाक्य में नहीं हैं बल्कि स्वतन्त्र हैं| (1)<br>(iii) <u>इन -</u> विशेषण<br><u>सुगंध</u> - संज्ञा (½+ ½ =1)<br>(कोई दो उत्तर)</td><td>1 x 2 = 2 अंक</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>(i) अनुस्वार - संभ्रांत,<br>अनुनासिक - चुनौतियों (½+ ½ =1)<br>(ii) (क) अंतरंग (ख) कुएँ<br>(iii) सँपेरा, पंद्रह,<br>(कोई दो उत्तर) (½+ ½ =1)</td><td>1 x 2 = 2 अंक</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>(i) 'निर्' उपसर्ग - निर्गुण, निराकार, निर्भय (अन्य कोई दो शब्द भी मान्य होंगे) (½+ ½ =1)<br>(ii) (½+ ½ =1)
<table>
<tr><td>शब्द</td><td>उपसर्ग</td><td>मूलशब्द</td><td>प्रत्यय</td></tr>
<tr><td><u>वियोगिनी</u></td><td>वि</td><td>योग<br>वियोग</td><td>इन,ई/इनी</td></tr>
<tr><td><u>द्रवित</u></td><td>-</td><td>द्रव</td><td>इत</td></tr>
</table>
(iii) ऐतिहासिक , लौकिक (½+ ½ =1)<br>(iv) अज्ञात, आशंका (½+ ½ =1)<br>(v) संभ्रांत, आगमन (½+ ½ =1)<br>(कोई चार उत्तर)</td><td>(1x4=4)</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>(i) 'गुरूपदेश , दीर्घ संधि (½+ ½ =1)<br>(ii) 'सु + आगत, यण संधि (½+ ½ =1)<br>(iii) वृद्धि संधि 1</td><td></td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| | **(iv) गणेश** **1**<br>**( कोई तीन उत्तर)** | **(1x3=3)** |
| 7. | **(i)** निर्देशक चिह्न — 1<br>**(ii)** हंसपद या त्रुटिपूरक चिह्न 1<br>**(iii)** लेन-देन = योजक चिह्न 1<br>**(iv)**आतंकवाद : देश की जड़ों पर कुठाराघात 1<br>अथवा उपविराम का सही प्रयोग करते हुए कोई भी वाक्य मान्य होगा **।**<br>**(कोई तीन उत्तर)** | **(1x3=3)** |
| 8. | **(i) 'मैं झटके के कारण शायद कुएँ में गिर गया होता।'- संदेह वाचक** वाक्य<br>**(ii) कमरा खोलते ही गिल्लू भीतर आकर मेरे सिर से पाँव तक दौड़ लगाने लगा।** विधानवाचक वाक्य<br>**(iii)विस्मयादि बोधक वाक्य** का कोई भी उचित उदाहरण मान्य होगा **।**<br>**(कोई 2 उत्तर)** | **(1x2=2)** |
| 9. | **(i)** घ. अतिथि के अधिक समय तक रुकने से आतिथेय को होने वाली समस्या<br>**(ii)** क. छोटी-सी यात्रा के बाद भी अतिथि के चार दिन तक रुका हुआ है।<br>**(iii)** ख. बैंजनी चट्टान<br>**(iv)** ख. अतिथि को दिखा-दिखाकर तारीखें बदल रहा है।<br>**(v)** ग. 2, 4 व 5 कथन | **(1x5=5)** |
| 10 | **(i)** घ. कलाकार की कला का आनंद उठाकर उसे पुरस्कार स्वरूप कुछ भी न देने वाले मनुष्य को<br>**(ii)** ख. गड्डों आदि में भरा गंदा पानी<br>**(iii)** ख. अभिकथन A सही है तथा कारण R गलत हैं।<br>**(iv)** ग. खारा होने के कारण किसी की प्यास नहीं बुझाता।<br>**(v)** ख. 2, 3 व 4 कथन | **(1x5=5)** |
| 11. | **(i)**<br>• बचेंद्री ने की से कहा | |

| | | |
|---|---|---|
| | • क्योंकि जब लेखिका साउथ कोल कैंप से वापस नीचे अपने साथियों -की, जय और मीनू की मदद करने उतरी थी तब की ने उससे कहा था कि उसने इतना बड़ा जोखिम नहीं उठाना चाहिए था\|<br>• इस कथन से लेखिका की सहयोग भावना तथा लिंगभेद से ऊपर उठकर कार्य करने के भाव का पता चलता है\| (2)<br>**(ii)**<br>• सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो गई \|<br>• संबंधों के अच्छे दौर समाप्त हो गए\|<br>• लेखक और उसके अतिथि के बीच बातचीत के विषय समाप्त हो गए\| डिनर व लंच की जगह खिचड़ी बनने लगी \|<br>• सद्भावना व सौहार्द का स्थान दुर्भावना ने ले लिया\|<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br>**(iii)**<br>• बाजार के लोग खरबूजे बेचनेवाली स्त्री को घृणा व तिरस्कार की नजर से देख रहे थे तथा उसके बारे में तरह तरह की बातें कर रहे थे।<br>• बेटे की मृत्यु के अगले ही दिन बुढ़िया खरबूजे बेचने आ गई अतः वह लालची है\|<br>सूतक की स्थिति में वह दूसरे का धर्म भ्रष्ट कर रही थी \|<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br>**(iv)**<br>• अभी तक बचेंद्री एक साधारण महिला थी\|<br>• एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला का गौरव प्राप्त करने के बाद अब वह सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हो चुकी होगी तथा<br>• वापस लौटने के बाद उसे विशिष्ट सम्मान व पहचान मिलेगी \|<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br>(उपर्युक्त में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर वांछित हैं\|) | **(2x3=6)** |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | **(i)**<br>• ईश्वर हर हाल, हर काल में सर्वश्रेष्ठ है<br>• उनकी भक्ति तथा संपर्क में आने से भक्त में भी उनके गुण समाहित होने लगते हैं\|<br>• इसके अलावा उसने चंदन - पानी, दीपक - बाती आदि अनेक उदाहरणों द्वारा उनका सान्निध्य पाने तथा अपने स्वामी के प्रति दास्य भक्ति की स्वीकारोक्ति की है।<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br><br>**(ii)**<br>• यदि सभी लक्ष्य एक साथ साधने शुरू कर दिए जाएँ तो कोई भी कार्य पूरा नहीं हो पाएगा<br>• हमें अपनी सम्पूर्ण सामर्थ्य का प्रयोग एक ही उच्च लक्ष्य प्राप्ति के लिए करना चाहिए\|<br>• जिस प्रकार जड़ को सींचने से वृक्ष स्वयं ही फलने-फूलने लगता है ठीक उसी प्रकार हमें अपने जीवन में उच्च लक्ष्य का निर्धारण करना चाहिए तो उससे संबंधित अन्य सभी कार्य स्वयं पूर्ण हो जाएँगे<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br>**(iii)**<br>• ईश्वर के कृपालु तथा समदर्शी स्वभाव की स्तुति<br>• ईश्वर को सर्वसामर्थ्यवान<br>• जात-पात, ऊंच-नीच आदि भेदभाव मनुष्य द्वारा बनाये गए हैं\| ईश्वर की दृष्टि में सब समान<br>• ईश्वर अपने निम्न कुल में जन्में भक्तों पर भी प्रेमभाव रखते हैं तथा उन्हें समाज में सम्मानित स्थान प्रदान करते हैं\|<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br>**(iv)**<br>• अक्षर थोड़े होते हैं किंतु उनमें बहुत गहरा और व्यापक अर्थ छिपा रहता है। | **(2x3=6)** |

| | | |
|---|---|---|
| | • नट अथवा बाजीगर का उदाहरण<br>• कुशल बाजीगर अपने शरीर को सिकोड़कर कुंडली के के समान बना लेता है और फिर छलांग मारकर शरीर को विस्तार देते हुए ऊँची जगह पर चढ़ जाता है\|<br>• कुशल दोहाकार दोहे के सीमित शब्दों में बहुत बड़ी और गहरी बातें कह देते हैं ।<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br><br>(उपर्युक्त में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर वांछित हैं\|) | |
| 13. | **(i)**<br>• लेखिका गिल्लू की देखभाल अत्यधिक प्यार से करती थीं\|<br>• अच्छे से अच्छा भोजन जैसे काजू इत्यादि देना<br>• गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत<br>• बाहर खेलती गिलहरियों को अपनेपन से देखना लेखिका द्वारा बाहर जाने का रास्ता खोलने पर मुक्ति की साँस<br>• सारा दिन बाहर गिलहरियों के झुण्ड के साथ प्रसन्नता से खेलना<br>(समग्र के आधार पर) (2)<br><br>**(ii)**<br>• गाँव के बाहर सूखे कुएँ में साँप होने का पता चलना \|<br>• सूखे कुएँ में पड़े साँप पर ढेले फेंककर उसकी क्रोध भरी फुसकार सुन बच्चों का आनंदित होना<br>• यह कृत्य पूर्णतया अमानवीय है और हमें ऐसा नहीं करना चाहिए\|<br>• ईश्वर ने मनुष्य को इस धरती का सर्वश्रेष्ठ प्राणी बनाया\| जिसे बुद्धि के साथ-साथ अनेक मानवीय गुणों जैसे दया, करुणा, सहानुभूति, प्रेम आदि से सुसज्जित किया\|<br>• बच्चे भी कई बार जाने-अनजाने, पशुओं को सता कर आनंदित होते हैं जो बिलकुल भी उचित नहीं है\| पशुओं में भी जान होती है .. उन्हें भी पीड़ा होती है पर वे अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते\| | |

| | | |
|---|---|---|
| | (समग्र के आधार पर) (4)<br><br>**(iii)**<br>• मनुष्य अपने भविष्य को लेकर बहुत चिंतित व आशंकित रहता है| अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए वह अनेकों योजनाएँ बनाता है|<br>• परन्तु भविष्य अनिश्चित होता है| वास्तविक परिस्थिति से सामना होने पर मनुष्य इस सत्य का अनुभव करता है कि उसके द्वारा पहले बनाई गई योजना बिलकुल विफल हो चुकी होती है|<br>• चिट्ठियाँ कुएँ में गिरने पर लेखक की कुएँ में उतरने की योजना<br>• विश्वास वह कुएँ में घुसते ही अपने डंडे से साँप को मार डालेगा और चिट्ठियाँ उठा कर ऊपर आ जाएगा|<br>• साँप से दूरी बनाए रखते हुए कुएँ में उतरना ही कठिन था|<br>• कुएँ का व्यास कम, वहाँ डंडा घुमा कर साँप को मारना असंभव था|<br>(समग्र के आधार पर) (4)<br><br>((उपर्युक्त में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर वांछित हैं| विद्यार्थी अपने अनुभव व अनुमान के आधार पर अन्य भाव भी व्यक्त कर सकते हैं जिन्हें विषय की सार्थकता के अनुसार मान्यता दी जानी चाहिए) | **(4x2=8)** |
| 14. | विषयानुरूपता प्रदत्त बिन्दुओं का समावेश व उचित विस्तार 3 अंक<br>रचनात्मक अभिव्यक्ति 1 अंक<br>भाषायी शुद्धता 1 अंक | **(5)** |
| 15. | प्रारंभिक तथा अंतिम औपचारिकताएँ 1 अंक<br>विषय विस्तार 3 अंक<br>भाषायी शुद्धता 1 अंक | **(5)** |
| 16. | विषयानुरूपता 2 अंक<br>मौलिक तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति 1 अंक | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | उचित प्रवाह एवं विस्तार | 1 अंक | |
| | भाषायी शुद्धता | 1 अंक | **(5)** |
| 17. | चित्र अनुरूप वर्णन | 2 अंक | |
| | भावाभिव्यक्ति | 1 अंक | |
| | मौलिकता तथा रचनात्मकता | 1 अंक | |
| | भाषायी शुद्धता | 1 अंक | **(5)** |
| | | | **कुल अंक : 80** |